हवा की मोहताज क्यों रहूँ

इन्दु जैन की स्मृति में
उनके परिवार की ओर से

हवा की मोहताज क्यों रहूँ

कविताएँ

इन्दु जैन

संपादन
रेखा सेठी रेखा उप्रेती

हार्परकॉलिंस पब्लिशर्स इंडिया
ए जॉइंट वेंचर विद
INDIA TODAY GROUP
नई दिल्ली

हार्पर हिन्दी
(हार्परकॉलिंस पब्लिशर्स इंडिया, ए जॉइंट वेंचर विद द इंडिया टुडे ग्रुप)
द्वारा 2009 में प्रकाशित

कॉपीराइट © मदन मोहन जैन 2009

हार्पर हिन्दी हार्परकॉलिंस पब्लिशर्स इंडिया का हिन्दी मुद्रर है
पता: ए-53, सेक्टर- 57, नौएडा-201301, उत्तर प्रदेश, भारत

ISBN: 9788172238759

टाइपसेटर: माइन्डवेज़ डिज़ाइन

मुद्रक: थॉम्सन प्रेस: (इंडिया) लि.

यह पुस्तक इस शर्त पर विक्रय की जा रही है कि प्रकाशक की लिखित पूर्वानुमति के बिना इसे व्यावसायिक अथवा अन्य किसी भी रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता। इसे पुन: प्रकाशित कर बेचा या किराए पर नहीं दिया जा सकता तथा जिल्दबंध या खुले किसी अन्य रूप में पाठकों के मध्य इसका परिचालन नहीं किया जा सकता। ये सभी शर्तें पुस्तक के खरीदार पर भी लागू होती हैं। इस संदर्भ में सभी प्रकाशनाधिकार सुरक्षित हैं। इस पुस्तक का आंशिक रूप में पुन: प्रकाशन या पुन: प्रकाशनार्थ अपने रिकॉर्ड में सुरक्षित रखने, इसे पुन: प्रस्तुत करने के प्रति अपनाने, इसका अनुदित रूप तैयार करने अथवा इलैक्ट्रॉनिक, मैके. निकल, फोटोकॉपी तथा रिकॉर्डिंग आदि किसी भी पद्धति से इसका उपयोग करने हेतु समस्त प्रकाशनाधिकार रखने वाले अधिकारी तथा पुस्तक तथा पुस्तक के प्रकाशक की पूर्वानुमति लेना अनिवार्य है।

अनुक्रम

बीज	xi
अन्दर के धुँआते कबाड़ के बीज	xii
अँधेरे में रंग तराशती कविता	xv
आ, शब्द की उल्का आ	xxv
कविता	xxvi
सृजन	xxvii

एक **7**

रंग	9
हरा	11
हरे को ही ले लो	13
खुले में	15
दृश्य	16
इतनी सुबह	18
चिड़िया और मैं	19
मैं ही रही मैं	22
काली सफ़ेद चिड़िया	24
सेम में फूल आ गये	27
बारिश में	29
यह हवा का सर्द-सा झोंका	30
धूप	31
उठ, बैठी हुई हवा	33
टहनी	34
वसन्त	36
गर्माई	37

दो 45

एक गहरी आवाज़ 47

धार 49

शिराओं में सीटी मारता वेग जब बहा जाता था 50

तूफ़ान-३ 52

मोहरा नहीं है मेरे पास 54

रसायन 56

कमन्द 58

तूफ़ान-८ 60

मिलेगा ज़रूर 62

हर नया 65

कागज़ का सपना 67

ज़रूरी है 69

तूफ़ान-१ 71

रात-१४ 73

अचानक भीड़ में खड़े-खड़े 74

मोहताज नहीं 77

चोर-चोर 79

दृष्टि 81

याद को भूल कर 83

पूरा जीवन 86

टुकड़ों-टुकड़ों में 88

उम्र तीन 91

सवाल 92

क्यों लगता है ऐसा 93

जानना ज़रूरी है 96

तीन 103

बड़े होते हुए 105
दो औरतें 106
हम बदलती रहीं 108
छात्रा है मेरी 109
जाग 111
चुना था उसने 112
असंतुलन का सम 114
क्योंकर 115
दस्तक 116
चलोगी ? 118
युद्ध में औरत 120
नाम 123
गृहस्थिन 124
उदास लड़की 126
पगडण्डी 128
कितना ? 130
देख 131

चार 139

माँ की हँसी 141
मेरी माँ.... और पिता 145
और फिर... 146
वो मेरे वृद्ध पिता 148
मान्या को 151
महिका को 153

रिश्ते 156
वे लोग 158
सेंध 160
हमसाया 162
बाज़ार 165
चाहती हूँ 167
हवा–२ 169
प्यार का प्रश्न 170
मीत हमारे! 173
इधर दो दिन लगातार तुमसे मिलने के बाद 174
करवट बदल कर सोने वाले ए बेख़बर 176
मुट्ठियों में 178
चुंबन ख़लल है दिमाग़ का 179

पाँच **187**

अलार्म 189
दृष्टान्त से परे 191
आँधी के पैर 193
इतना भी क्यों जान लिया 196
रात–७ 198
मृत्युदण्ड 200
प्रतिफल 202
वस्त्र मैं 204
उखड़े हुए 207
जंगल 208
नये क़ायदे 209
जिन्स 211

शहर मेरा 213
नगर का मौसम 216
पेड़ों ने उगने की मोहलत चाही थी 218
ऐसे ही जाएँगे 220
नदियों में पानी नहीं है 222

छह **231**

बच्चे 233
मुस्करा-मुस्करा कर सोने वाले बच्चे 235
बच्चा 236
कोशिश 237
आधा सच 238
बहुत बाद में 239
जवाब : बच्ची का 241
पाठशाला के बावजूद 242
वसीयत 244
शिक्षा 246
इन्विजिलेशन 250
अभिजित 253
उठो 257